

दुमका में झामुमो ने मनाया 47वां स्थापना दिवस, उमड़ी भीड़

मुख्यमंत्री हेमंत का केंद्र को दो-टूक, राजनीतिक चक्रव्यूह का देंगे मुंहतोड़ जवाब, अब बोका नहीं रहे झारखंडी

गुरुजी के सपनों का झारखंड, शिक्षा और संघर्ष से अधिकार छीनेगी राज्य की जनता : मुख्यमंत्री



झारखंड का खनिज, देश का बजट: सोरेन बोले-योगदान हमारा सबसे ज्यादा, फिर भी हम 'बेनाम' क्यों

धनबाद के मेयर प्रत्याशी चंद्रशेखर अग्रवाल ने भाजपा छोड़ झामुमो का दामन थामा

दुमका में मुख्यमंत्री ने पार्टी का पट्टा डाल झामुमो में शामिल कराया

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

धनबाद। नगर निकाय चुनाव से पहले भाजपा को तगड़ा झटका लगा है। भाजपा के नेता रहे पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल सोमवार को दुमका में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल हो गए हैं। चंद्रशेखर अग्रवाल झारखंड प्रदेश भाजपा की कार्यसमिति सदस्य भी थे। वे पूर्व में धनबाद के मेयर रह चुके हैं। इस बार भी चंद्रशेखर अग्रवाल ने नगर निकाय चुनाव में धनबाद मेयर पद के लिए पहले दिन ही नामांकन भर दिया था। कैसे तो झारखंड में नगर निकाय चुनाव गैरदलीय हो रहा है। इसके बावजूद राजनीतिक दलों ने अपने-अपने



प्रत्याशियों का समर्थन कर अपने लोगों को चुनाव जिताने में लगे हैं। भाजपा ने धनबाद से संजीव अग्रवाल का समर्थन कर दिए जाने से चंद्रशेखर अग्रवाल नाराज चल रहे थे। चंद्रशेखर अग्रवाल को झामुमो में शामिल कराने का सूत्रधार झामुमो विधानसभा सचेतक मथुरा प्रसाद महतो को लेकर

चर्चा आम है। चंद्रशेखर अग्रवाल पूर्व मेयर रह चुके हैं। भाजपा के पुणे कार्यकर्ता रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के वे बेहद करीबी माने जाते हैं। लोकसभा व विधानसभा चुनाव में टिकट के लिए भी चंद्रशेखर अग्रवाल ने दावेदारी की थी। दोनों बार उन्हें पार्टी से तरहीज नहीं मिली। विधानसभा चुनाव के समय ही इस बात की चर्चा थी की चंद्रशेखर अग्रवाल भाजपा छोड़ रहे हैं और जेएमएम में जा रहे हैं। लेकिन भाजपा की एक लॉबी के दबाव के कारण उन्होंने पार्टी नहीं छोड़ी। दलगत चुनाव नहीं होने के कारण मेयर चुनाव में चंद्रशेखर अग्रवाल ने पार्टी का समर्थन मांगा था।

राहुल के भाषण पर हंगामा, लोकसभा दिनभर के लिए स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में सोमवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पूर्व सेना अध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक पर एक मैजिज के लेख को सदन में उठाना चाहा। सत्ता पक्ष के विरोध और लोकसभा अध्यक्ष के व्यवस्था देने के बावजूद राहुल गांधी के बार-बार विचार उठाने के चलते कार्यवाही दो बार स्थगित हुई और बाद में दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में आज राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा आरंभ हुई। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चर्चा में भाग लेते हुए 2020 में भारत और चीन के बीच पूर्वी लड़ाई की सीमा पर हुई सैन्य तनातनी का मुद्दा उठाया।

जेपीएससी-2 घोटाले में ईडी ने मनी लाउंड्रिंग जांच की तेज, 28 अधिकारियों की संपत्ति का मांगा विवरण

संवाददाता

रांची । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी-2) घोटाले में आईआर दर्ज करने के बाद मनी लाउंड्रिंग के बिंदु पर जांच को तेज कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, ईडी ने इस मामले में सीबीआई की ओर से आरोपित झारखंड पुलिस और प्रशासन के 28 अधिकारियों से संबंधित विस्तृत जानकारी मांगी है, जिसमें उनकी ओर से घोषित संपत्ति का विवरण भी शामिल है। ईडी ने जिन अधिकारियों की संपत्ति का विवरण मांगा है, उनमें राधा प्रेम किशोर, विनोद राम, हरिशंकर, रवि कुमार कुजूर, मुकेश कुमार महतो, कुंदन कुमार सिंह, मौसमी नागेश, कानू राम नाग, प्रकाश कुमार, संगीता कुमारी, रजनीश कुमार, शिवेंद्र, संतोष कुमार चौधरी, रोहित सिंह, शैलेश कुमार श्रीवास्तव, अमित कुमार, राहुल जी आनंद, इंद्रजीत सिंह, शिशिर कुमार सिंह, राजीव



कुमार सिंह, रामकृष्ण कुमार, प्रमोद राम, अरविंद कुमार सिंह, विकास कुमार पांडे, मनोज कुमार, सुदामा कुमार और कुमुद कुमार शामिल हैं। दरअसल, सीबीआई ने जेपीएससी-2 घोटाले की जांच के बाद कुल 60 आरोपितों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। इसमें जेपीएससी के छह अधिकारी, ग्लोबल इंफॉर्मेटिक्स के 28 परोक्षार्थी और 25 परोक्षक शामिल थे। आरोपित

सभी 28 अधिकारी फिलहाल जमानत पर हैं। इन आरोपितों में से कुछ राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अब एडीएम रैंक में और राज्य पुलिस सेवा के दो अधिकारी आईपीएस रैंक में पदोन्नत हो चुके हैं। ईडी ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर इन सभी अधिकारियों की पोस्टिंग और संपत्ति का ब्योरा मांगा है। उल्लेखनीय है कि अधिकारियों को सरकारी नौकरी में योगदान देते समय और हर साल अपनी संपत्ति की घोषणा करने का नियम है। अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को यह विवरण भारत सरकार को भेजना होता है। अधिकारियों की संपत्ति की स्व घोषणा प्रशासनिक भ्रष्टाचार पर निगरानी के लिए अनिवार्य है। ईडी अब जेपीएससी घोटाले में आरोपित सभी अधिकारियों द्वारा की गई संपत्ति की जानकारी एकत्र कर रही है।

भाजपा ने धनबाद, रांची, चास और हजारीबाग से मेयर उम्मीदवारों के नाम किए घोषित

संवाददाता

रांची । नगर निकाय चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चार प्रमुख नगर निकायों के लिए अपने समर्थित मेयर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने धनबाद, रांची, चास और हजारीबाग नगर निगम के मेयर पद के लिए उम्मीदवार तय किए

हैं। भाजपा की ओर से धनबाद से संजीव अग्रवाल, रांची से रोशनी खलखो, चास से अविनाश कुमार और हजारीबाग से सुदेश चंद्रवंशी को मेयर पद के लिए समर्थन देने का निर्णय लिया गया है। इन नामों के ऐलान के साथ ही शहरी राजनीति में हलचल तेज हो गई है। **शीर्ष नेतृत्व की सहमति के**

बाद सूची जारी पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्रत्याशियों के नामों को लेकर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व स्तर पर विस्तृत मंथन किया गया। सामाजिक संतुलन, स्थानीय प्रभाव और चुनावी संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए इन नामों पर अंतिम सहमति बनी। गैर-दलीय चुनाव होने के बावजूद

भाजपा द्वारा समर्थित प्रत्याशियों की घोषणा को राजनीतिक रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि सभी सीटों पर स्थानीय समीकरणों और संभावित उम्मीदवारों को लेकर विचार-विमर्श जारी है। **गैर-दलीय चुनाव में सियासी तस्वीर साफ**

नगर निकाय चुनाव भले ही गैर-दलीय आधार पर कराए जा रहे हों, लेकिन भाजपा की इस घोषणा से यह स्पष्ट हो गया है कि शहरी निकाय चुनाव पूरी तरह राजनीतिक माहौल में लड़े जाएंगे। आने वाले दिनों में अन्य दलों की रणनीति और उनके समर्थित प्रत्याशियों के नाम सामने आने की संभावना है।

दुमका रैली में नहीं पहुंची कल्पना सोरेन, जोबा मांझी और महुआ माजी

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

दुमका। झामुमो द्वारा आयोजित 47 वें झारखंड दिवस समारोह को मुख्य रूप से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संबोधित किया। मुख्यमंत्री के अलावा पार्टी के दो सांसदों नलिन सोरेन और विजय हांसदा के साथ झामुमो 2 फरवरी के समारोह को उत्सव की तरह मनाता है। दुमका

विधायकों ने रैली को संबोधित किया। झामुमो की प्रमुख नेताओं में गांडेय से पार्टी की विधायक कल्पना सोरेन, चाईबासा की एम्पी जोबा मांझी और राज्य सभा सांसद महुआ मांझी पार्टी की दुमका रैली में शामिल नहीं हो सकीं, जबकि झामुमो 2 फरवरी के समारोह को उत्सव की तरह मनाता है। दुमका

की इस रैली में जोबा मांझी और महुआ मांझी की अनुपस्थिति की वजह संसद के चल रहे सत्र में उनकी व्यस्तता हो सकती है। हालांकि झामुमो की इन प्रमुख नेताओं की दुमका रैली में अनुपस्थिति पर पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

परंपरागत जय झारखंड के साथ इस बार दुमका में गूंजा दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहें का नारा

